वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 82 | मंगलवार 16 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अमेरिका से आए दल ने सीखा घूमर व कालबेलिया नृत्य

अथक चेष्टा ट्रस्ट यूनिवर्सल के वार्षिक आयोजन में 6 दिवसीय लोक कला शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की संस्कृति अपने आप में इतनी अनूठी है कि लोग सात समंदर पार से भी इसे समझने और ग्रहण करने के लिए समय-समय पर राजस्थान की धरा पर आते रहते है। ऐसे में इन दिनों श्रीदेवी जगन्नाथ के साथ 35 स्टूडेंट्स का दल राजस्थान की संस्कृति, सभ्यता सहित संगीत और डांस को सीखने के लिए जयपुर आई हुई है। अथक चेष्टा ट्रस्ट यूनिवर्सल के वार्षिक आयोजन में 6 दिवसीय लोक कला शिविर में यह ग्रुप अमेरिका से यहां जयपुर राजस्थान की संस्कृति, कठपुतली बनाने, घूमर और कालबेलिया डांस सहित राजस्थान की विरासत को समझने सिखने का प्रयास कर रहा है। अमेरिका से जयपुर आई श्रीदेवी जगन्नाथ ने बताया कि उनके साथ 35 छात्र स्टूडेंट के साथ जयपुर पहुंचे हैं जो

अमेरिका में भरतनाट्यम डांस सीख रहे हैं। ऐसे में 6 दिवसीय इस भ्रमण में तीन दिन तक वह कालबेलिया नृत्य और घूमर सीखने के लिए तमाम बारिकियां यहां जयपुर में समझ रहे है। इसी के साथ जयपुर भ्रमण पर वह राजस्थान की संस्कृति को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जयपुर भ्रमण के दौरान कठपुतली बनाने से लेकर कालबेलिया और घूमर डांस सिख रहे है। उन्होंने बताया कि जिस तरीके से नाट्य शास्त्र में हम ठोड़ी हिलाना सीखते हैं उसी तरीके से राजस्थान का कालबेलिया और घूमर अपने ही तरीके में अनूठा डांस है जिससे फोक डांस को भी उतना ही महत्व मिलता है जितना की क्लासिकल डांस को मिलता है। इससे पहले हमने कालबेलिया सिर्फ सुना था और टीवी पर देखा था लेकिन आज हमें मौका मिला है एक कालबेलिया और घूमर पर डांस करने का और इसकी बाराकियों को सीखने का जो कि हमारे लाइफ लोंग सीखने के लिए काम आएगा। हम अपने साथ इन बातों को जरूर साथ लेकर जाएंगे और उस में बताएंगे कि किस तरीके से कालबेलिया और घूमर को सीख जा सकता है और उसके बाद इनको किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने राजस्थान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार तथा कृषि हेतु उर्वरकों की उपलब्धता के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

लॉयनीस्टिक ईयर 2024-25 की कार्यसमिति का पदस्थापना समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लॉयनीस्टिक ईयर 2024-25 की कार्यसमिति का पदस्थापना समारोह होटल फोर पोइंट्स बाई शेरेटन, जयपुर, सिटी स्क्वायर, टोंक रोड, जयपुर में आयोजित किया गया। समारोह में पदस्थापना अधिकारी गेट एरिया लीडर एम डी - 320 पी एम जे एफ लॉयन दीपक भट्टाचार्जी, मुख्य अतिथि एम जे एफ लॉयन आइ पी एम सी सी रोशन सेठी, प्रमुख वक्ता पी एम जे एफ लॉयन सुमेर जैन, इंडक्शन अधिकारी एम जे एफ लॉयन सुधीर बाजपेई एवं क्लब प्रशासनिक अधिकारी लॉयन पी एम सी सी लॉयन गोविंद शर्मा उपस्थित थे। सर्वप्रथम नारायणा हॉस्पिटल जयपुर एवं लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो के संयुक्त तत्वाधान में स्वास्थ्य परिचर्चा रखी गई। इस परिचर्चा में डॉ विजय शर्मा, सिनियर कंसल्टेंट आथोर्पेडिक एवं जोड़ प्रत्यारोपण एवं डॉ प्रदीप गोयल, विजिटिंग कंसल्टेंट, प्लास्टिक सर्जरी के बारे में सरल तरीके से वीडियो के माध्यम से समझाया। दोनों डॉक्टर्स ने सवालों के जवाब भी दिए। परिचर्चा का कार्यक्रम लगभग एक

घंटा चला। स्वास्थ्य परिचर्चा के बाद पदस्थापना समारोह प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम संयोजक लॉयन डॉ महेश जैन द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। तत्पश्चात निर्वतमान अध्यक्ष लॉयन वीरेन कोरडिया द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों पर अपनी बात रखी। निर्वतमान सचिव विमल गोलछा ने गत वर्ष में किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण का उल्लेख करते हुए बताया कि क्लब के सेवा एवं अन्य कार्यों की गूंज रीजन एवं इन्दौर में आयोजित मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट कन्वेंशन में भी रही। मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट कन्वेंशन में विभिन्न श्रेणियों में कुल 8 पुरस्कार प्राप्त हुए। अतिथियों द्वारा भी करतल ध्वनि से प्रशंसा की गई। सह प्रांतपाल प्रथम लॉयन सुधीर बाजपेई द्वारा रिकॉर्ड संख्या मे बने 48 नये सदस्यों को सुंदर तरीके से शपथ दिलवाई। सबसे अधिक नये सदस्य लॉयन सुरेन्द्र जैन पांड्या द्वारा बनाए गए हैं। पदस्थापना अधिकारी लॉयन भट्टाचार्जी द्वारा नये अध्यक्ष लॉयन अनिल जैन क्धर, सचिव लॉयन ई. विमल गोलछा , कोषाध्यक्ष लॉयन अनिल जैन एवं अन्य पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाई गई। पदस्थापना अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस तरह गत वर्ष में क्लब ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं उसी तरह इस वर्ष भी नये कीर्तीमान स्थापित करें। नये अध्यक्ष लॉयन अनिल जैन IPS ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए इस वर्ष में करवाए जाने वाले प्रत्येक माह का कैलेंडर प्रस्तुत किया। प्रमुख वक्ता पी डी जी सुमेर जैन द्वारा उद्बोधन दिया। मुख्य अतिथि आइ पी एम सी सी लॉयन रोशन सेठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेट्रो क्लब द्वारा कई श्रेष्ठ कार्य किए गए हैं। इस कारण मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट कन्वेंशन में 817 क्लब्स में श्रेष्ठ क्लब सचिव लॉयन विमल गोलछा एवं 7 अन्य श्रेणियों में क्लब को पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इन पुरस्कारों का आज वितरण किया गया। अतिथियों द्वारा निवर्तमान अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस समारोह में नये सदस्य जस्टिस लॉयन नरेंद्र कुमार जैन की विशेष उपस्थिति रही। अंत में समन्वयक लॉयन सुरेन्द्र जैन पांड्या द्वारा सभी अतिथियों एवं समागत लॉयन साथियों का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया।

वर्षायोग धीमी वर्षा के समान जो जीवन की दशा व दिशा में उपयुक्त परिवर्तन करती है : आर्यिका वर्धस्व नंदनी

तिजारा में हुआ इस वर्ष का पहला वर्षायोग कलश स्थापना समारोह

तिजारा. शाबाश इंडिया

वर्षायोग में सन्त सम्यक दिशा व दशा परिवर्तन का मार्ग बताते हैं वैसे भी कहा गया है कि कुछ देर की तेज बारिश का सारा जल व्यर्थ बह जाता है और कम फायदा करता है जबकि धीमी बारिश का जल जमीन के अंदर तक अपनी गहरी पहुँच बनाता है और फसलों के लिए भी उपयुक्त रहता है उसी प्रकार कुछ समय के लिए सन्तों का आगमन तेज वर्षा के समान है जबकि वर्षायोग में सन्तो का आगमन धीमी बारिश के समान है जो सुखद व अमृत वर्षा होती है और जीवन की अनन्त शून्यता व रिक्तता को समाप्त कर उपयुक्त परिवर्तन करती है। अतः वर्षायोग की धीमी फुहारों में आवश्यक रूप से भीगना चाहिए और अपने जीवन को सम्यक व सदमार्ग की ओर अग्रसर करना चाहिए । यही वर्षायोग की सार्थकता है। उक्त उद्गार श्री 1008 चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा ने आयोजित दसवें वर्षायोग कलश स्थापना समारोह में आचार्य वसुनंदी महाराज की सुशिष्या आर्यिका वर्धसवनंदनी माताजी ने श्रावक श्राविकाओं को वर्षायोग का महत्व समझाते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि श्रमण व समाज जिनशासन रूपी रथ के दो पहिये हैं। दोनो के बराबर चलने से ही यह रथ आगे बढ़ सकता है अतः साधु और समाज के बराबर योगदान की आवश्यकता है। कहीं भी थोड़ी शिथिलता जिनशासन रथ को आगे बढ़ने में रुकावट उत्पन्न करती है। देहरा तिजारा के अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया कि अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा में किसी संघ का काफी लंबे समय के बाद वर्षायोग हो रहा है। आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी के साथ संघ में कुल नो साध्वी वर्षायोग कर रही हैं जिससे महती धर्म प्रभावना हो रही है। समाज के साथ साथ आसपास की जैन समाजों को भी धर्म लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मुख्य कलश जीवंधर जैन कोषाध्यक्ष मन्दिर समिति परिवार को प्राप्त हुआ तो भक्तो द्वारा तीव्र गर्मी में भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में अन्य कलश भी स्थापित किए गए तो वही भक्तो द्वारा चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट भी किए गए। मंच संचालन संजय शास्त्री, चक्रेश जैन व निर्मल जैन तिजारा द्वारा किया गया तो तिजारा मंदिर समिति के पदाधिकारी द्वारा अतिथियों का स्वागत सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर सत्यार्थी मीडिया पुस्तक का विमोचन धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री भूपेंद्र जैन दिल्ली, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या कामां, जम्बूस्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा अध्यक्ष रमेश जैन गर्ग, नरेंद्र जैन तिजारा, सचिन जैन टूंडला व मंदिर समिति के पदाधिकारीयों ने किया।

-संजय जैन बड़जात्या कामां

सकल दिगंबर जैन समाज चौमूं के सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन

चौमूं. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज चौमूं के सानिध्य में बड़े ही धूम धाम से किया जा रहा है जैन समाज प्रवक्ता पंकज बड़जात्या ने बताया कि चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर जी में हो रहे सिद्ध चक्र महामंडल विधान के द्वितीय दिन प्रतिष्ठाचार्य पं संनत कुमार जी के दिशा निर्देश अनुसार प्रातः अभिषेक शांति धारा तत्पश्चात श्री 1008 सिद्ध चक्र विधान मंडल एवं विश्व शांति महायज्ञ की पूजा की गई। सौधर्म इंद्र एवं सभी इंद्र द्वारा मंडल विधान पर अर्ध चढ़ाए गए । कुबेर इंद्र घनकुमार अनिल कुमार संतोष कुमार मनोज कुमार परिवार को शाम की महा आरती करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सभी इंद्र द्वारा माला जाप किया गया ।तत्पश्चात सायंकाल महा आरती भजन सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि के कार्यक्रम संपन्न हुए। संगीतकार सुनील एंड पार्टी द्वारा आरती एवं भजनों का जैन समाज के लोगों ने भक्ति भाव से विभोर होकर भक्ति में लीन हो गए इन सभी कार्यक्रम को दौरान जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य निहाल जैन महेश जैन निहालचंद चौधरी मोतीलाल पापड़ीवाला अनिल जैन सुनील जैन नेमीचंद अजय जैन जैन समाज अध्यक्ष राजेंद्र बडजात्या चंदा देवी शकुंतला देवी छाबड़ा मीना देवी विदामी देवी कुंदनी देवी तारा देवी अंतिम देवी संतोष देवी गुन माला देवी पापड़ीवाल शांति देवी इत्यादि श्रावक- श्राविकाए मौजूद थी।

वेद ज्ञान

आस्था अपनत्व की आधारशिला

आस्था के फूल हृदय की पवित्रता रूपी क्यारी में उगे मनोहारी पौधे पर ही खिल सकते हैं। वही आस्था लक्ष्य को पाने में समर्थ हो सकती है, जिसकी जड़ें मौलिकता की खाद से उर्वरा शक्ति पाती हैं। आस्था भक्ति, प्रेम, अपनत्व व आनंद की आधारशिला है। आस्था के पवित्र सरोवर में खिले भावकमल ही प्रभुकृपा का उत्तम प्रसाद पाने के अधिकारी हैं। आस्था की दृढ़ता अपने और अपने आराध्य के मध्य मिलन की दूरी व खाई को पाट देती है। आस्था अपने मंतव्य, गंतव्य व आराध्य को पाने की वह जादुई डोरी है, जिसकी शक्ति, भक्ति व सामर्थ्य से प्रभु, प्रेमी व लक्ष्य स्वयं ही उसकी ओर आकर्षित होते चले आते हैं। पक्के और दृढ़ इरादों से विरचित आस्था के मंसूबे धारक को उसकी मनोकामनाओं की अंतिम मंजिल तक पहुंचाने की गारंटी देते हैं। आस्था अपने साथ विश्वास, नैतिकता, मूल्य व जीवटता को लेकर चलती है। आस्था भटकते राहगीरों और जीवन-सागर में दिशाहीन होकर क्रूर समय के थपेड़े खाते मानव व जीव समुदाय को सही राह दिखाती है। आस्था के बिना कोई भी व्यक्ति जीवन लक्ष्य में आनंद व खुशी पाने की कल्पना नहीं कर सकता। आस्था सतोगुणी मूल्यवान सृष्टि की रचना करती है, जिसका उद्देश्य विशुद्ध रूप से आराधना में पवित्रता के साथ-साथ जीवन को एक उत्तम उद्देश्य के लिए प्रेरित करना होता है। आस्था की प्रबलता प्रभु की अपने प्रति करुणा और प्रीति के बढ़ने की द्योतक होती है। उत्साह भी आस्था की ही आत्मजा है जो इससे प्रेरणा पाकर प्रभु मिलन व उनके साक्षात्कार में सहायक होती है। आस्था, पवित्र भावों की वह मंदाकिनी है जिसमें स्नान करने की लिए देवगण स्वयं ही उत्कंठित रहते हैं। आस्था ही भक्ति व भक्त का कवच है। पावन आस्था की ही परिणति है कि प्रभु राम व माता सीता सदैव अपने भक्त पवनपुत्र हनुमान के हृदय में ही विराजमान रहते हैं। आस्था भक्त के पास ईश्वरीय अनुकंपा की अमोघ शक्ति है, जिससे वह किसी भी पावन जीवन-लक्ष्य की प्राप्ति में सफल हो सकता है। जीवन के अनमोल वैभवों को पाने और आत्मिक व असली आनंद प्राप्ति का मूल मंत्र आस्था है।

संपादकीय

राजनीति में भाषा की मर्यादा जरूरी

राजनीति में दो विरोधी दलों का विचारधारा और मुद्दों के स्तर पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े होना स्वाभाविक है। मगर वे भाषा के स्तर पर इस हद तक चले जाएं कि उससे उपजी कड़वाहट सामान्य व्यवहार और बोली तक को बुरी तरह प्रभावित करने लगे, तो यह निश्चित रूप से लोकतांत्रिक माहौल को भी बाधित करेगा। पिछले कुछ वर्षों से हमारे देश की राजनीति में ऐसा माहौल बन रहा है, जिसमें प्रतिद्वंद्वी दलों में मुद्दों पर उठी बात को उचित संदर्भ में देख-समझ कर एक परिपक्व राय या प्रतिक्रिया देने के बजाय दोनों पक्षों के समर्थक आपस में दुश्मन की तरह पेश आने लगते हैं। ऐसे में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक नई परिपाटी शुरू की है, जिसे कड़वाहट से भरी राजनीतिक दुनिया में एक नई बयार की तरह देखा जा सकता है। गौरतलब है कि अमेठी लोकसभा सीट पर चुनाव हारने के बाद से भाजपा नेता स्मृति ईरानी के लिए सोशल मीडिया पर कुछ अवांछित भाषा का प्रयोग हो रहा था। राहुल गांधी ने इसी संदर्भ में 'एक्स' पर लिखा कि जीवन में जीत और हार होती रहती है। मैं सभी से गुजारिश करता हूं कि वे स्मृति ईरानी या किसी अन्य नेता को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने से बचें। जाहिर है, मुद्दा आधारित राजनीति के बजाय आरोप-प्रत्यारोपों में घुलती असहिष्णुता जब विषैली भाषा के रूप में सामने आने लगे और संवाद तक की गुंजाइश खत्म होने लगे तो ऐसे में अपने राजनीतिक विरोधी नेताओं के प्रति इस तरह की उदारता वक्त की जरूरत है। मगर राहुल गांधी की इस टिप्पणी को सकारात्मक संदर्भ में लेने के बजाय भाजपा के एक नेता की ओर से जैसी नकारात्मक प्रतिक्रिया आई, उसे सद्भाव के विरुद्ध ही माना जाएगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि शीर्ष नेताओं की भाषा, उनके विचार और व्यवहार आम जनता के लिए एक स्तर पर सामाजिक-राजनीतिक प्रशिक्षण का काम करते हैं। नेता जैसा विचार जाहिर करते हैं, उनके समर्थकों का मानस भी वैसा ही बनता है। इस लिहाज से अपने राजनीतिक प्रतिपक्षी नेताओं के लिए शालीन भाषा का प्रयोग करने की राहुल गांधी की सलाह सद्भाव आधारित राजनीति और लोकतांत्रिक माहौल को मजबूत करने की कोशिश है।

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि शीर्ष नेताओं की भाषा, उनके विचार और व्यवहार आम जनता के लिए एक स्तर पर सामाजिक-राजनीतिक प्रशिक्षण का काम करते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

खुदरा महंगाई

भारतीय रिजर्व बैंक की कोशिश है कि खुदरा महंगाई को चार फीसद से नीचे लाकर स्थिर किया जा सके, मगर तमाम कोशिशों के बावजूद इस पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। महंगाई के रुख को देखते हुए ही रिजर्व बैंक रेपो दर में बदलाव का कोई फैसला नहीं कर पा रहा है। काफी समय से बैंक दरें स्थिर बनी हुई हैं, जबकि उद्योग समूह चाहता है कि रेपो दर घटाई जाए। जून महीने में खुदरा महंगाई 5.08 फीसद दर्ज की गई, जो कि पिछले चार महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। मई महीने में महंगाई का रुख कुछ नरम दिखा था, हालांकि रिजर्व बैंक को अंदाजा था कि जून और बरसात के महीनों में खुदरा महंगाई बढ़ेगी। रिजर्व बैंक का मानना है कि बरसात के बाद महंगाई उतार पर होगी और तब इसे स्थिर रख पाना संभव होगा। मगर यह दावा कितना सही होगा, कहना मुश्किल है, क्योंकि पहले भी रिजर्व बैंक कई बार कह चुका है कि वह महंगाई को जल्दी ही काबू में ले आएगा। इस बार भी खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुआ है। दैनिक उपभोग की खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी पर अंकुश लगाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार खाद्य महंगाई बढ़ कर 9.36 फीसद पर पहुंच गई है, जो मई महीने में 8.69 फीसद थी। जून महीने में अनाज के दामों में 8.75 फीसद, फलों में 7.15 फीसद, सब्जियों के दामों में 29.32 और दालों की कीमतों में 16.07 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जमीनी स्तर पर आम उपभोक्ता को इससे कहीं अधिक बढ़ी हुई कीमतें चुकानी पड़ रही हैं। बरसात के मौसम में तो कुछ कारण समझ आते हैं कि बाढ़ और बारिश की वजह से माल ढुलाई में बाधा आने की वजह से कई जगहों पर उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाती। कई इलाकों में पानी भर जाने से फलों और सब्जियों की फसल चौपट हो जाने के कारण भी उनकी कीमतों में बढ़ोतरी देखी जाती है। मगर जून के महीने में ऐसी स्थिति नहीं होती। आमतौर पर बाजार में गेहूं और दालों की नई फसल की उपलब्धता रहती है, इसलिए भी इनकी किल्लत का तर्क नहीं रखा जा सकता। रोजी-रोजगार के मोर्चे पर संकट के दौर से गुजर रहे लोगों के सामने अनाज, फल और सब्जियों की बढ़ती कीमतों की कैसी मार पड़ रही होगी, अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। महंगाई पर काबू न पाए जा सकने के पीछे बाजार और विपणन के प्रबंधन में व्यवस्थागत कमजोरियां बड़ा कारण हैं। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली जिन उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन अपने यहां भरपूर होता है, उन्हें सही ढंग से बाजार तक पहुंचाने की व्यावहारिक व्यवस्था अभी तक नहीं बन पाई है। उनकी जगह पर आयातित वस्तुएं बाजार में जगह बना लेती हैं, नहीं तो कोई कारण नहीं कि अक्सर किसानों को अपनी कच्ची फसलें सड़कों पर फेंकने को मजबूर होना पड़ता है। किसान मंडियों में महाजनों की मनमानी की शिकायत करते रहते हैं, पर फसलों की खरीद का व्यवस्थित इंतजाम करने पर ध्यान नहीं दिया जाता। पर्याप्त भंडारगृह और शीतगृहों के न होने से भी फसलें बाजार पहुंचने से पहले बर्बाद हो जाती हैं। जब तक खाद्य वस्तुओं के प्रबंधन पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल बैंक दरों के जरिए महंगाई पर अंकुश लगाना कठिन बना रहेगा।

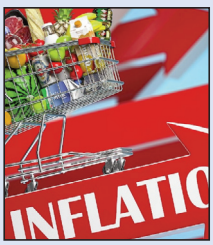

प्राइवेट नौकरी वाले के पास कोई अधिकार नहीं होते : मुनि श्री सुधासागर महाराज

चातुर्मास सागर में होने की संभावना

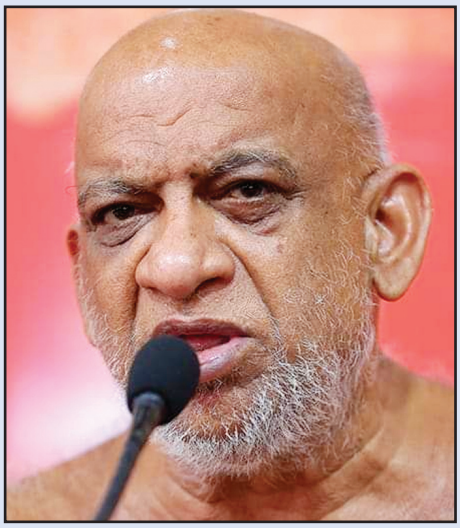

सागर. शाबाश इंडिया

सरकारी नौकरी करने वालों से मैने पूछा कि कार्य करने मे नौकरी की अनुभूति होती है।या अधिकारी बनने की, प्राइवेट नौकरी करने वाले के पास कोई अधिकार नहीं होते सिर्फ मालिक का काम करना होता है। अपनी आजीवीका लिये तुम्हें दूसरों के यहां नौकरी करना पड़े तुम बदकिस्मत हो, व्यक्तियों को खुद का कार्य करना चाहिए।नौकरी में हमारी शक्ति खराब हो जाती है क्योंकि हमें अनुभूति होती है कि हम नौकर हैं। सरकारी नौकरी में अधिकार होता है इसलिए सरकारी नौकर को अधिकारी कहते हैं सरकारी नौकर समाज के लिए, खुद के लिए और पूरे देश को कुछ न कुछ करता रहता है क्योंकि उसके पास अधिकार होते हैं। एक बार स्वयं अनुभूति करके देखो मेरे हाथ में भी कुछ है। उसके पास स्व की अनुभूति नहीं है वहां मेरा आशीर्वाद व्यर्थ जाता है। यह उदगार पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 सुधा सागर महाराज ने व्यक्त किए मुनिश्री ने कहा जब बुरे दिन आते हैं तो तुम मंदिर जाते हो, गुरुदेव के पास जाते हो। भगवान का नाम लेते हो क्योंकि संकट आया है भक्तामर पाठ, णमोकार मंत्र पढ़ते हो। एक बात याद रखना मरने के पहले णमोकार मंत्र पढ़ने का काम जरूर करना। उन्होंने कहा कि जब कोई कष्ट या समस्या हो तो प्रभु के सामने जाकर के यह कहना कि मै दुर्भाग्यशाली था कि आपके पास नहीं आया और अब मैं भाग्यशाली हूं इसलिए प्रभु के और गुरु के पास में आया हूँ। मरने वालो में मरने का महुत निकाल देता हूँ। जिन के मुहूर्त निकाले है लेकिन वे आज तक नही मरे है। बल्कि बढ़िया फल फूल रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी ताकत हिन्दी के 52 अक्षर है। बस वे अक्षर जुड़ किससे रहे हैं इसके ऊपर सब कुछ निर्भर करता है वही मन्त्र बन जाते है बीजाक्षर हो जाते हैं और बालक पढता है तो सिर्फ शब्द रह जाते हैं। धर्म है तो मान लो भगवान नहीं, धर्म है मान लो महाराज नहीं है। धर्म में इसी प्रकार भारत कहीं नहीं है जिस स्थान पर खड़े वही भारत है इसी प्रकार सागर कहीं नहीं है जिस स्थान पर खड़े हो वह सागर है। मुनिश्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य राजेन्द्र, विकास जैन केसली और राजकुमार करैया नीलेश चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ। जानकारी देते हुए मुकेश जैन ढाना ने बताया की मुनि संघ का 2024 का वर्षायोग चातुर्मास सागर में होने की संभावना है। -अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

वर्षा ऋतू पारिवारीक उत्सव का आयोजन हुआ

खरतरगच्छ परिवारो ने उत्साह, उमंग और जोश से गोठ का आनंद

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के तत्वावधान में श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ नवयुवक मंडल, ब्यावर द्वारा दिनांक 14 जुलाई को जैन दादावाड़ी में वर्षा ऋतू पारिवारिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र धारीवाल एवं पुनीत मेहता ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत के अंतर्गत सर्वप्रथम संभावनाथ भगवान् एवं दादागुरुदेव के स्मरण और नवकार महामंत्र के जाप के साथ कबूतरो हेतु मक्की डालकर जीवदया की गयी। मंडल अध्यक्ष अरिहंत कांकरिया ने बताया कि उसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया जिसका लाभ चेतनकुमार जी हालाखंडी परिवार द्वारा लिया गया। कार्यक्रम संयोजक मनीष डाकलिया एवं वैभव मैडतवाल ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गेम्स, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन संघ की महिलाओ एवं बच्चों द्वारा किया गया। सायंकाल में खरतर समाज हेतु गोठ का आयोजन किया गया। उसके पश्चात भगवान एवं दादागुरुदेव की 108 दीपक से आरती की गयी।

लकी ड्रॉ और महा आरती के लाभार्थी जितेंद्र धारीवाल परिवार को मिला

आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में नवयुवक मंडल टीम के मनीष डोसी, गौतम यति, राकेश डोसी, ऋषभ भंडारी, पुलकित श्रीश्रीमाल, कुलदीप कोठारी, मोहित बेंगानी, महावीर भंसाली, शैलेन्द्र जिन्दानी, अक्षय रांका, सज्जन तातेड, संदीप कोठारी, राहुल बरडिया, रितेश भंसाली, नितिन तातेड, अंकुर मैडतवाल, उमेश छाजेड ने सहयोग किया। इस अवसर पर श्रीसंघ के प्रेमचंद कांकरिया, महेन्द्र छाजेड, सतीश मैडतवाल, कांतिलाल डोसी, अनिल छाजेड, गुलशन बेंगानी, वीरेंद्र लूणिया, मानकचंद चोपडा, सज्जन डोसी, ज्ञानचंद भंडारी, सुरेश कांकरिया, बिरदीचंद चोपडा, चंद्रकुमार श्रीश्रीमाल, प्रकाश भंडावत, जयचंद यति, प्रो मांगीलाल मेहता आदि सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में मंडल महामंत्री मितेश चोपडा ने पधारे हुवे सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

वैय्यावृत्य की जीवन्त मूर्ति
वैद्यराज श्रद्धेय श्री सुशील कुमार जी साह 'पापा सा.'

पाप विलय हो, पुण्योदय हो
कर्मों का क्षय, सर्वोदय हो
जन्म, जरा, मृत्यु से उत्तम
जीवन मृत्युंजय हो
यह जीवन मंगलमय हो

मेरे अर्जित पुण्य में
सब हों भागीदार
दुःख विघटे प्रगटे मंगलमय
दर्शन ज्ञानाचार, वंदन बारम्बार
सबका मंगल हो

भावभीनी श्रद्धांजलि

धरा को पावन करने की अवधि
दिनांक 2 नवम्बर, 1928 - दिनांक 14 जुलाई, 2024

शुद्धआत्मा को शत् शत् नमन.....

ELECTRO MEDIA
ADP CABLE TV NETWORK
DSDF CONSULTANCY SERVICES PVT. LTD.

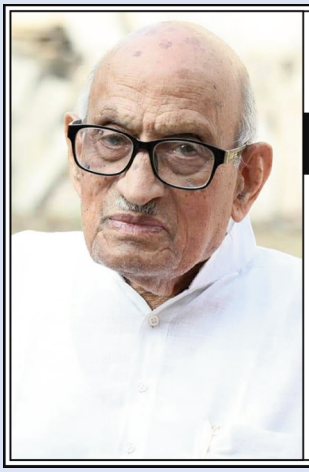

विनम्र श्रद्धांजलि

हमारे परम आदरणीय श्रद्धेय पापा साहब

श्री सुशील कुमार जी साह

पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी साह

निरोग निरामय जगत हो, चिंतन आठों याम ।
पापा साहेब वैद्य को, शत-शत बार प्रणाम ।।

भावभीनी श्रद्धांजलि

श्रद्धावनत :

श्री 1008 शांतिनाथ जयोदय
अतिशय क्षेत्र ईशुरवारा
जिलाः सागर

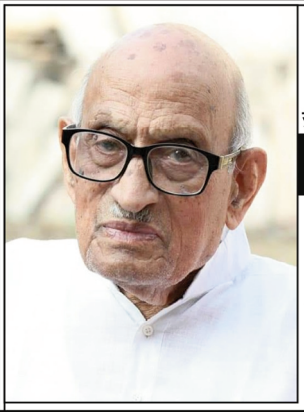

विनम्र श्रद्धांजलि

जैन समाज के गौरव मानव सेवा के साक्षात प्रतीक,
युग पुरूष, कर्मयोगी वैद्यराज परम आदरणीय पापा साहब

श्री सुशील कुमार जी साह

पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी साह
के आकस्मिक निधन पर हम
भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :

नन्द किशोर– शांता देवी पहाड़िया,
प्रमोद – नीना पहाड़िया,
सुनील– निशा पहाडिया

M/S ARL & Akshat Group

विनम्र श्रद्धांजलि

आरोग्य भारती के जनक, आयुर्वेदाचार्य, प्राण, उर्जा मर्मज्ञ,
घर घर मंगल भावना पहुंचाने वाले पापा साहब

श्री सुशील कुमार जी साह

पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी साह
के आकस्मिक निधन पर हम
भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :

अजय– माया कटारिया,
शैलेन्द– प्रियंका गोधा,
विनोद (मोनू) – स्वीना छाबडा

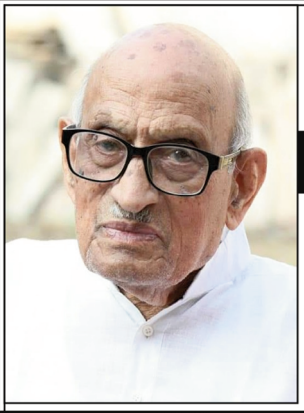

विनम्र श्रद्धांजलि

आरोग्य भारती के जनक, घर घर मंगल भावना पहुंचाने
वाले सहज, सरल,परम आदरणीय पापा साहब

श्री सुशील कुमार जी साह

पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी साह
के आकस्मिक निधन पर हम
भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :

रेणु राणा (धर्मपत्नि स्व. श्री गणेश जी राणा)
निधी– विकास बैराठी
नम्रता– मोहित राणा

पूर्णिमा हेण्डिक्राफ्ट्स, जयपुर

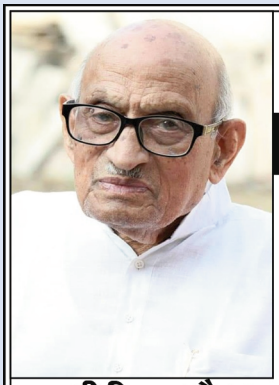

विनम्र श्रद्धांजलि

हमारे आदरणीय परम श्रद्धेय पापा साहब

श्री सुशील कुमार जी साह

पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी साह

निरोग निरामय जगत हो, चिंतन आठों याम ।
पापा साहेब वैद्य को, शत-शत बार प्रणाम ।।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर
सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर

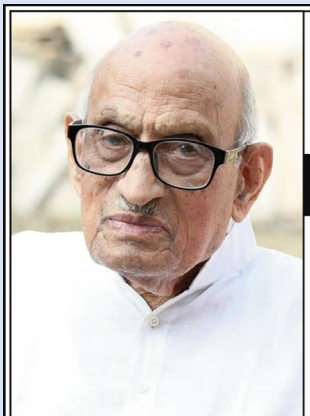

विनम्र श्रद्धांजलि

जैन समाज के संत मानव सेवा के साक्षात प्रतीक,
युग पुरूष, महामना कर्मयोगी वैद्यराज

श्री सुशील कुमार जी साह

पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी साह
के सांसारिक यात्रा पूर्ण करने पर हम
भावभीनी श्रद्धाजंलि
अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :

पुष्पलता काला –स्व. विद्या विनोद काला
एवं परिवार

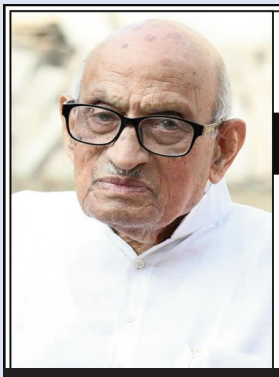

विनम्र श्रद्धांजलि

हमारे आदरणीय परम श्रद्धेय पापा साहब

श्री सुशील कुमार जी साह

पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी साह

निरोग निरामय जगत हो, चिंतन आठों याम ।
पापा साहेब वैद्य को, शत-शत बार प्रणाम ।।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :

अध्यक्षः मनीष शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्षः राकेश - समता गोदिका
सचिवः राजेश - रानी पाटनी
एवं समस्त दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति परिवार

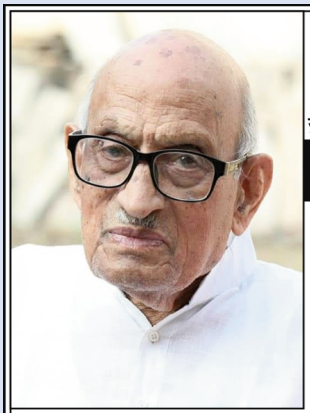

विनम्र श्रद्धांजलि

जैन समाज के गौरव मानव सेवा के साक्षात प्रतीक,
युग पुरूष, कर्मयोगी वैद्यराज परम आदरणीय पापा साहब

श्री सुशील कुमार जी साह

पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी साह
के आकस्मिक निधन पर हम
भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :

राकेश-समता गोदिका
संपादक: शाबाश इंडिया

जैन अतिशय क्षेत्र मंगलगिरी पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

बहू ने लगाये अपनी सासू मां के नाम पर वृक्ष

मनीष विद्यार्थी सागर. शाबाश इंडिया

सागर। महिला जैन मिलन नेहानगर शाखा क्षेत्र क्रमांक 10 की जुलाई माह की मासिक बैठक राष्ट्रीय संयोजिका वीरांगना संगीता चंदेरिया जी मुख्य अतिथि एवं वीरांगना श्रीमती ऋतु जैन अध्यक्षता में श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंगलगिरी सागर में आयोजित की गई। बैठक में सबसे पहले सभी वीरांगनाओं ने महावीर प्रार्थना के साथ प्रारंभ हुई। सचिव वीरांगना शालिनी जैन ने जुलाई माह की में आयोजित कार्यक्रमों एवं आगे होने वाले कार्यक्रम के विषय में जानकारी दी। कोषाध्यक्ष वीरांगना श्रीमती संध्या जैन आय -व्यय की जानकारी दी। इसके पश्चात पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। शासन द्वारा चलाई जा रहे वृक्षारोपण अभियान जिसमें एक वृक्ष मां के नाम अभियान को महिला जैन मिलन की सभी वीरांगनाओं ने एक वृक्ष अपनी सासू मां के नाम लगाकर, लोगों को एक प्रभावशाली संदेश देने का प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन वीरांगना श्रीमती अनीता जैन एवं आभार वीरांगना श्रीमती पुष्पा जैन ने माना। अंत में राष्ट्र संत आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की समाधि जालना महाराष्ट्र में हो गई। आचार्य विराग सागर जी महाराज बुंदेलखंड के दमोह जिले के पथरिया नगर में जन्मे एक ऐसे आचार्य हैं जिन्होंने सबसे ज्यादा दीक्षा देकर श्रमण परंपरा को जीवंत रखने का कार्य किया। ऐसे पूज्य महानतम संत को सभी वीरांगनाओं ने अपनी विनयांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय संयोजिका वीरांगना संगीता चंदेरिया जी के द्वारा सभी को स्वादिष्ट भोजन करवाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय संयोजिका वीरांगना संगीता चंदेरिया जी,क्षेत्रीय संयोजिका वीरांगना अनीता जैन, संरक्षिका वीरांगना किरण जैन, अध्यक्ष वीरांगना ऋतु जैन, कोषाध्यक्ष वीरांगना संध्या जैन,सचिव वीरांगना शालिनी जैन, प्रचार मंत्री वीरांगना ज्योति जैन, वीरांगना मनीषा चंदेरिया, वीरांगना रजनी जैन, वीरांगना नीता बड़कुल ,वीरांगना मधु जैन, वीरांगना रागिनी जैन, वीरांगना नीता जैन, वीरांगना सरिता जैन, वीरांगना पुष्पा वीरांगना सुनीता जैनआदि वीरांगनाएं शामिल रही।

जैन शब्द जातिवाचक नहीं गुणवाचक

बामनवास. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज की तृतीय पट्टाचार्य आचार्य धर्मसागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका 105 श्री श्रुतमति और श्री सुबोधमति माताजी का सुबह पिपलाई तहसील बामनवास में हुआ मंगल प्रवेश । जिसका सुनील जैन चैनपुरा दिगम्बर जैन समुदाय ने स्वागत किया। इस अवसर पर दिनेश चवरियां ने बताया कि आर्यिका 105 श्री श्रुतमति और श्री सुबोधमति माताजी को दीक्षा लिए लगभग 51 वर्ष हो चुके है इनके पिताजी भी श्रमण हुए है ये निवाई नगर से श्री शान्तिवीर नगर श्री महावीरजी पहुंचेगी इस वर्ष माताजी का चातुर्मास श्रीमहावीरजी में होगा। सुनील जैन चैनपुरा ने बताया कि आर्यिका 105 श्री श्रुतमति और श्री सुबोधमति माताजी की आहार व्यवस्था पिपलाई में मुखराम गुर्जर के यहां एवं प्रवास की व्यवस्था सीतोड में अजय गुर्जर के यहां की गई ' इस व्यवस्था के लिए पिपलाई के जैन समुदाय ने गुर्जर समुदाय का आभार प्रकट किया। आर्यिका 105 श्री श्रुतमति माता जी ने बताया कि पुराने समय में आज की भांति जाति प्रथा नहीं थी। आचरण से ही व्यक्ति की पहचान होती थी ' उन्होंने बताया कि जैन इट इच ए नॉट ए कॉस्ट बट इट इच ए मेन्टेलिटि ' जैन जाति नहीं यह मनोवृत्ति का नाम है ' जैन शब्द जातिवाचक नहीं गुणवाचक है। इस अवसर पर अशोक भांजा, उर्मिला भांजा,त्रिलोक रजवास, संजय जैन श्रीमहावीर जी,सुरेन्द्र जैन शान्ति नगर,विमल एवं भाग्यवती पहाड़ी , नेमी सीरस, चंद्रेश जैन शिवाड़,संगीता एवं शोभा जैन, सलोचना जैन नल वाले, मधु चैनपुरा,बृजेन्द्र जैन, विनोद जैन,सुनील जैन, जिनेन्द्र जैन,रजनी जैन, आशा जैन, आशीष जैन, सुमनलता जैन, एकता जैन,अभिनन्दन जैन आदि कई श्रावक - श्राविकाएं उपस्थित थे। **-जिनेन्द्र जैन मिडिया प्रभार**

अष्टानिका महापर्व में दो दिवसीय नंदीश्वर दीप महामंडल विधान का हुआ शुभारंभ

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन नया मन्दिर में जैन धर्म का शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व के अन्तर्गत आज दो दिवसीय नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान का शुभारंभ हुआ, कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि प्रातः श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा- अर्चना के बाद समाज श्रेष्ठी कैलाशचंद, हनुमान प्रसाद, सीताराम, अशोक कुमार ,विनोद कुमार ,भरत कुमार , कलवाडा वाले परिवार जनों की तरफ पंडित सुरेश चंद शास्त्री निवाई के दिशा निर्देशन में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा साज सज्जा के साथ नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान का दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ, कार्यक्रम में 101 पूज्यार्थियों ने पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया। पंडित सुरेश शास्त्री जी ने बताया कि विधान मंडल पर आज श्री फलों द्वारा 40अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की गई।

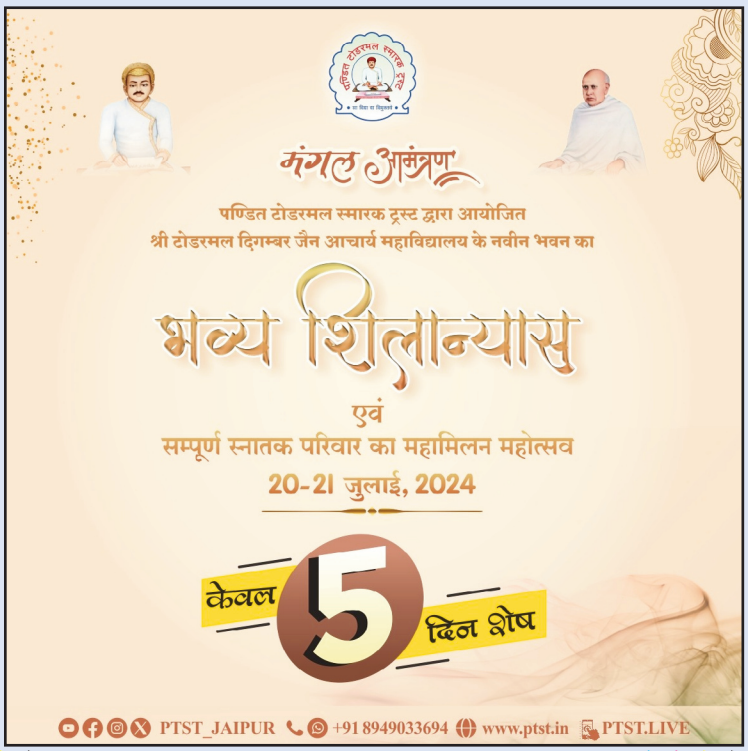

चालीस पार व्यक्ति कराएं नियमित हेल्थ चेकअप: डॉ. मधु नाहर

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप प्रताप की ओर से रविवार को फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। वरिष्ठ चिकित्सक (मेडिसिन) डॉ. मधु नाहर ने परीक्षण के दौरान कहा कि चालीस की उम्र के बाद बॉडी का नियमित चेकअप करवाना बेहद जरूरी है। ग्रुप अध्यक्ष दशरथ पोरवाड ने बताया कि स्वस्थ जीवन की दिशा में ग्रुप का ये प्रयास आगे भी जारी रहेगा। संस्थापक अध्यक्ष निर्मल पोखरना ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समय की जरूरत हैं। कैंप का संचालन सचिव शिशिर बया के निर्देशन में सुरेंद्र दोषी, डॉ. डोली मोगरा एवं बोर्ड के सदस्यों ने किया।

लॉयन क्लब भोपाल की अध्यक्षा बनी अनीता जैन

दीपक प्रधान.शाबाश इंडिया

भोपाल। समाजसेविका अनीता जैन को लॉयन क्लब भोपाल का अध्यक्ष चुना गया। लॉयन अनीता जैन निरन्तर 35 वर्ष से लॉयनवाद के सफर में मैत्री एवं सेवा का आनंद लेती रही हैं। विगत दिवस लॉयन क्लब की बैठक में लॉयन्स क्लब भोपाल कपल की चार्टर्ड मेम्बर अनीता जैन को क्लब की अध्यक्षा चुना गया । साथ ही मानद सचिव लॉयन प्रमिला भंडारी एवम लॉयन रजनी राज सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया । कार्यकारिणी सदस्यों ने एक गरिमामय कार्यक्रम जिसमें PMJF कुलभूषण मित्तल पूर्व मल्टीपल कॉउन्सिल चैयरमेन इंदौर ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई । मुख्य अतिथि MJF लायन प्रवीण वशिष्ठ 1st VDG डिस्ट्रिक्ट 3233 G-2 एवं पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं शहर के गणमान्य नागरिकों के बीच ग्रहण कर, लायनवाद के उद्देश्यों को उत्कृष्टता से सब साथियों के साथ मिलकर पूर्ण करने का संकल्प व्यक्त किया। लॉयन अनीता जैन एवं समस्त पदाधिकारियों को उनके शुभचिंतकों एवं मित्रों ने शुभकामनाएं प्रदान कीं। ज्ञातव्य हो कि लायंस क्लब भोपाल कपल द्वारा निरन्तर 32 वर्ष से प्रत्येक वर्ष प्रदेश स्तर के बड़े नेत्र शिविर का एवम विगत कई वर्षों से प्रत्येक माह के तृतीय रविवार को भी एक नेत्र ऑपरेशन शिविर का आयोजन नियमित रूप से करता आ रहा है ।लॉयन अनीता जैन एक समाजसेवी महिला हैं। आप लॉयन रविन्द्र जैन जमुसर वाले की धर्मपत्नी हैं जो स्वयं लॉयन क्लब में काफी समय से बहुत सक्रिय हैं।

वन स्टॉप सेंटर (सखी) ने गांव–गांव चलाया महिला जागरूकता अभियान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर में महिलाओं के लिए संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) की टीम गांव–गांव जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों प्रति जागरुक कर रही है। मामले की जानकारी देते हुए केन्द्र प्रबंधक किरण पटेल ने बताया कि जिला विधिक प्राधिकरण एवं मातृ सेवा संस्थान के अंतर्गत महिलाओं की सहायता हेतु संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) उनकी मेडिकल, लीगल व पुलिस संबंधी सहायता के लिए सदैव तत्पर है। इसी संदर्भ में संस्थान की लीगल काउंसलर उमा तुर्किया ने क्षेत्र के गांव डांगियों का गुड़ा में जाकर महिला समूह को उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। गांव की बड़ी आंगनवाड़ी में एकत्रित हुई महिलाओं को सखी के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। गौरतलब है कि महिला अधिकारिता द्वारा देशभर में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) के अंतर्गत सभी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थायी आश्रय, पुलिस-डेस्क, विधि सहायता, चिकित्सा एवं काउन्सलिंग की निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

डॉ मालती गुप्ता एवं डॉ रितिका अग्रवाल द्वारा लिखित और चित्रांकित द्विभाषी पुस्तिका 'पानी और आग-एक अनूठा संगम' का विमोचन उप मुख्य मंत्री दीया कुमारी ने किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर उप मुख्य मंत्री दीया कुमारी द्वारा विमोचन कार्यक्रम में डॉ मालती गुप्ता एवं डॉ रितिका अग्रवाल द्वारा लिखित और चित्रांकित द्विभाषी पुस्तिका ''पानी और आगः एक अनूठा संगम'' का विमोचन किया गया। इसके साथ ही इसी विषय पर मूक बधिर दिव्यांग जन के लिए विशेष तौर पर बनाया गया वीडियो तथा दृष्टि बाधित दिव्यांग जन के लिए ब्रेल लिपि में लिखी गयी कविता का विमोचन भी माननीय उप मुख्मंत्री दीया कुमारी द्वारा किया गया। डॉ मालती गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी, सवाई

मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर ने बताया कि गौरतलब है कि विश्व में पहली बार बर्न्स विषय पर दिव्यांगजन के लिए विषेष तौर पर sign लैंग्वेज में वीडियो एवं ब्रेल लिपि में कविता प्रिंट की गई है। डॉ मालती द्वारा किये गए इस प्रयास की माननीय उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी जी ने सराहना की। डॉ मालती गुप्ता ने माननीय दीया कुमारी जी को एक रिप्रजेंटेशन भी दिया जिसमें यह निवेदन किया गया है कि राजस्थान सरकार बर्न मुक्त राजस्थान अभियान आरम्भ करे यदि ऐसा होता है तो हमारा प्रदेश यह अभियान आरम्भ करने वाला देश का प्रथम प्रदेश होगा। माननीय दीया कुमारी जी ने आश्वासन दिया कि वो इस निवेदन को संबंधित विभाग को भेजेंगी और ये अभियान प्रदेश में शुरू हो, यह एक अच्छा और जनसाधारण के लिए लाभदायक है। विमोचन कार्यक्रम में डॉ मालती गुप्ता के साथ इस मुहिम में विशिष्ट सहयोगी टीम के रूप में, डॉ रितिका अग्रवाल, निश्चेतन विशेषज्ञ, डॉ नीलिमा टिक्कू, सुप्रसिद्ध लेखिका एवं साहित्यकार, एवं प्रकाशक दीपक सैनी उपस्थित रहे ।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घीलोठ, नीमराना ने इतिहास रचा

नीमराना. शाबाश इंडिया। विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घीलोठ, में प्रिंसिपल कालूराम सिरोहीवाल , स्टाफ के सभी सदस्य एवं विद्यार्थीगण ने मिलकर, डॉ मालती गुप्ता , पूर्व विभागाध्यक्ष प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न्स विभाग, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, के निर्देशन में, बर्न मुक्त ग्राम अभियान का शुभारंभ किया। ध्यान देने योग्य बात है कि विश्व में पहली बार एक गांव के स्तर पर एक सरकारी विद्यालय द्वारा बर्न्स के विषय पर जन जागरण के लिए इस तरह का बर्न मुक्त ग्राम अभियान आरम्भ किया गया है।

तप त्याग करना सीख लो जैन साधु देख लो....

गुरु मां आर्यिकारत्न नंदीश्वर मति माताजी का नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नावा सिटी में हुआ केशलोंचन कार्यक्रम आयोजित

पूज्य माताजी ने समता पूर्वक अपने केशो को अपने हाथों से उखाड़ फेंका, वैराग्यमई दृश्य को देखने बड़ी संख्या में पुरुष महिलाएं व बच्चे रहे मौजूद।

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावां सिटी। उपखंड मुख्यालय पर सकल दिगंबर जैन समाज के तत्त्वाधान में नेमिनाथ दिगंबर जैन बड़े मंदिर जी में रविवार को गुरु मां आर्यिकारत्न नंदीश्वर मति माताजी का केशलोंचन समारोह आयोजित किया गया। प्रातः श्री जी के अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात जिनेन्द्र देव की अष्टद्रव्यों से पूजन की गयी। ततपश्चात आर्यिका माताजी के केश लोंचन की क्रिया प्रारम्भ हुई। पूज्य माताजी समता पूर्वक अपने केशो को अपने हाथों से उखाड़ कर फेक रही थी । ऐसा वैराग्यमई दृश्य देख श्रद्धालुओ कि अश्रुधारा बहने लगी श्रद्धालु भाव विभोर होकर बोलने लगे तप त्याग करना सीख लो जैन साधु देख लो...। इस वैराग्यमई दृश्य को देखने बड़ी संख्या में पुरुष महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे ' आर्यिका माताजी के संघस्थ ब्रह्मचारिणी दीदी ने बताया की शरीर का आकर्षण समाप्त करने के लिए केश लोचन किया जाता है। यह एक तप है जिसे जैन धर्म में सहज भाव से स्वीकार किया जाता है। जैन साधु और साध्वी दीक्षा लेने के बाद साल में चार या पांच बार खुद के शरीर के केश लोचन करते हैं। केश लोचन के पहले साधु -साध्वी शरीर को राख से रगड़ते हैं, फिर गुच्छों में शरीर के बालों का लोचन करते हैं। केशलोंच करने के दौरान बालों को हाथों से खींचकर निकाला जाता है। अपने हाथों से बालों को उखाड़कर दिगंबर जैन संत इस बात का परिचय देते है कि जैन धर्म कहने का नहीं सहने का धर्म है। पूज्या माताजी के केश झेलने का सौभाग्य शांतिलाल नवीन कुमार गोधा परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में अनेक स्थानों से भी श्रद्धालु गण पंहूचे जिनका स्थानीय जैन समाज के पदाधिकारीयों एवं नागरिकों ने अभिनन्दन किया।

हूमड़ महाकुंभ गुजरात मे सम्पन्न

1100 से अधिक हूमड़ जैन पूरे देश से जुटे

शाबाश इंडिया

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं प्रोविंसिय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं हूमड़ महाकुंभ 14 जुलाई को गुजरात के ईडर शहर मे अपरान्ह एक बजे से प्रारंभ होकर सांय 6बजे तक सम्पन्न हुआ। फेडरेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता दिनेश खोड़निया ने की तथा विशिष्ट अतिथि कमल पाडलिया, विमल चंद गांधी, चेतन ए शाह, किशोर शाह, विजय कोठारी, सुनील कोठारी, डा. शालीन जैन, राजेश बी शाह थे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष विपिन गांधी के नेतृत्व में 31सदस्यीय कार्यकारिणी को अहमदाबाद निवासी निरंजन कुमार जुआ ने शपथ दिलाई। महामंत्री महेंद्र बंडी, गुजरात प्रोविंस अध्यक्ष श्रीपाल शाह, ईडर समाज अध्यक्ष महावीर दोशी, महिला प्रकोष्ठ की कोशल्या पतंग्या, चिराग भाई, धर्मेंद्र दोशी वसंत दोशी पूर्व अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यक्रम रोचकता से परिपूर्ण था। समारोह का संचालन अजीत कोठिया डडूका, आरती पाडलीया मंदसौर विपिन पंचोरी अहमदाबाद तथा अंजू गांधी मुंबई ने किया। प्रोविंसेज की शपथ विधि चकोर गांधी एवं कवींद्र कियावत ने सम्पन्न की। राजस्थान प्रोविंस अध्यक्ष धनपाल जैन सरोदा एवम महामंत्री गोवर्धन लाल जैन कुआ को समारोह अध्यक्ष दिनेश खोड़निया ने शपथ दिलाई। आयोजन को कोशल्या पतंग्या, निधि सेठ,महेंद्र बंडी, एवं दिनेश खोड़निया ने संबोधित किया। खोड़निया ने कहा की राजस्थान प्रोविंस के शपथ ग्रहण के लिए हम पूरे देश के हूमडो को 15अगस्त को हूमडपुरम मे आमंत्रित करते हैं, आप स्वीकृति दे ताकी शपथ ग्रहण की तैयारिया प्रारंभ करे। विपिन गांधी ने फेडरेशन के आगामी दो साल के कार्यक्रमों का रोड मैप प्रस्तुत किया।आयोजन मे 1100से अधिक हूमड़ जैनो ने पूरे देश से हिस्सा लिया। राजस्थान प्रोविंस से धनपाल जैन सरोदा के नेतृत्व में 200 सदस्यीय दल आयोजन मे हिस्सा लिया। बांसवाड़ा जिले से अजीत कोठिया, दीपाली रोकड़िया, कमलेश जैन, भरत कोरावत, कंचन कोरावत, कल्पना जैन, स्मिता राहुल जेन, दीपिका जैन, संगीता मैयावत, रंजना जैन गढ़ी ने हिस्सा लिया।

मंगल चातुर्मास में आगरा सकल जैन समाज को मिलेगा तीन मुनिसंघों का मंगल सानिध्य

आगरा. शाबाश इंडिया

जैन समाज के पावन मंगल चातुर्मास 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहे हैं जो 12 नवंबर तक चलेंगे। देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होकर देवोत्थान एकादशी तक चलने वाले चातुर्मास में इस वर्ष आगरा के सकल जैन समाज को करीब चार ससंघ जैन मुनियों का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। जैन संतों के सानिध्य में आगरा सकल जैन समाज धर्म का मर्म समझकर सतमार्ग पर चलेगा। इसके लिए आगरा सकल जैन समाज ने तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं जिसमें समाधिस्थ राष्ट्रसंत आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के शिष्य ध्यान गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर ससंघ का मंगल चातुर्मास कमला नगर डी ब्लाक के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर की पावनधरा पर होने जा रहा है।जहाँ उपाध्यायश्री विहसन्त सागर जी महाराज ससंघ का 17 जुलाई को बल्केश्वर शनिदेव मंदिर चौराहा से भव्य शोभायात्रा के साथ श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर डी ब्लॉक में भव्य मंगल आगमन होगो जिसके लिए पूरे कमला नगर को दुल्हन की तरह सजाया गयो कमला नगर वर्षायोग समिति के मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि उपाध्यायसंघ के भव्य शोभायात्रा में दो बैंड जिसमें एक आगरा का सुप्रसिद्ध किशोर बैंड और नासिक का सुप्रसिद्ध बैंड और छीपीटोला का जयघोष और इसके अलावा बगियां, घोड़े, पांचरंगी ध्वज आकर्षण का केंद्र रहेंगे। और आगरा नगर की 32 शैलियों की महिला मंडल अलग-अलग परिधानों में नृत्य करती हुई उपाध्यायसंघ के साथ शोभायात्रा में चलेंगी वही चातुर्मास समिति के मुख्यसंयोजक मनोज जैन बाकलीवाल ने बताया कि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसंत सागर ससंघ का मंगल वर्षायोग कलश स्थापना कार्यक्रम 28 जुलाई को आगरा के सूरसदन प्रेक्षाग्रह में आयोजित होगा। जिसकी तैयारियां कमला नगर सकल जैन समाज जोरों शोर से कर रहा हैं। इसके लिए उपाध्यायश्री ससंघ का मंगल विहार आगरा की ओर चल रहा है जहां आज उपाध्यायसंघ का मंगल विहार राजा की ताल से टूंडला जैन मंदिर के लिए हुआ।

कलेक्ट्रेट परिसर में थूवोनजी कमेटी को किया सम्मानित

स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना सभी का कर्तव्य है : कलेक्टर सुभाष द्विवेदी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। कलेक्ट्रेट भवन में अशोक नगर कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी द्वारा मध्य भारत के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी को पर्यावरण स्वच्छता अभियान के लिए जिले के प्रमुख अधिकारीयों के समकक्ष कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई अशोक नगर जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल मंत्री विजय धुर्रा को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान जिला पंचायत सी ई ओ डां नेहा जैन ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता को बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे सभी संस्थाओं समितियों को ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम के तहत आज माननीय कलेक्टर महोदय द्वारा सम्मानित किया जा रहा है जिसमें जिले की दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी यहां उपस्थित थे कमेटी के पदाधिकारियों माननीय कलेक्टर से प्रस्शति पत्र प्राप्त करेंगे। **जीवन में स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता जरुरी है:** इस दौरान कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी ने कहा कि जीवन में स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता की आवश्यकता है आप सभी को इस दिशा में अच्छी तरह से काम करना है स्वच्छता के साथ साफ सफाई हम सब की ज़िम्मेदारी है आज दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी सहित जिन्हें सम्मानित किया जा रहा है वे और भी उत्साह से आगे काम करते रहेंगे इस दौरान जिले भर के अधिकारी कलेक्टर भवन में विशेष रूप से उपस्थित थे इस दौरान थूवोनजी कमेटी ने दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में विशेष रूप वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ कलेक्टर महोदय व जिला पंचायत सी ई ओ के अतिथि में करने हेतु आमंत्रित दिया जिसे उन्होंने सुइकार कर लिया।

नेशनल रोड सेफ्टी काउंसिल के सदस्य डॉक्टर निर्मल जैन ने उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा से की मुलाकात

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान के यातायात व सड़कों की व्यवस्था में सुधार हेतु डॉक्टर निर्मल जैन ने उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बेरवा से मुलाकात की। गौरतलब है कि डॉक्टर प्रेमचंद बेरवा ही परिवहन मंत्रालय को देख रहे हैं इसके तहत डॉ निर्मल जैन ने मुलाकात करके पूर्व में सड़क सुधार कार्यक्रम जो की संस्था द्वारा किए गए हैं उनकी जानकारी उपमुख्यमंत्री को दी व आगामी किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी बताया। मुलाकात के बाद डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने निर्मल जैन को आस्वस्थ किया कि वह सड़क सुरक्षा व यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए हर समय उनके साथ मिलकर काम करेंगे व राजस्थान की यातायात व सड़क व्यवस्था को दुरुस्त करने में उनका सहयोग करेंगे वह मंत्रालय के द्वारा समय-समय पर उनको किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होगी तो प्रदान की जाएगी। इस पर डॉक्टर निर्मल जैन ने डॉक्टर प्रेमचंद बेरवा का आभार व्यक्त किया और कहा कि आपके नेतृत्व में परिवहन विभाग नई ऊंचाइयों को छूएगा।

विश्व शांति जन कल्याण की कामना के लिए भगवान शान्तिनाथ का युगल मुनिराज के सानिध्य में किया गया महामस्तकाभिषेक

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। जैन समाज के अतिशय क्षेत्र सिहोनिया जी में विश्व शांति जन कल्याण के हितार्थ मुनि श्री शिवानंद जी एवं मुनि श्री प्रशमा नंदी जी महाराज के सानिध्य में 11वीं शताब्दी की 21 फुट ऊँची भगवान शांतिनाथ की अद्भुत प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक प्रतिष्ठाचार्य पं. संजय शास्त्री के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुनिश्री शिवानंद जी महाराज ने कहा कि तीर्थंकर भगवान का अभिषेक तो हम सभी प्रतिदिन जिनालय में देखकर अपने पुण्य का विस्तार करते हैं, लेकिन महामस्तकाभिषेक देखना और करना बड़े भाग्य से मिलता है। उन्होंने कहा कि भगवान शांतिनाथ एक नहीं, बल्कि तीन पद के धारी थे। वे चक्रवर्ती, कामदेव एवं तीर्थंकर थे। जब व्यक्ति का पुण्य जाग्रत होता है, तब चक्रवर्ती और वैभवशाली बनता है। भक्ति बढ़ती है तो कामदेव बन जाता है और अंतरंग में धर्म और भक्ति का पूर्ण जागरण होने पर कर्मों का क्षय करते हुए तीर्थंकर बन जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान शांतिनाथ जब चक्रवर्ती अवस्था में थे, तब 32 हजार मुकुटधारी राजाओं ने उनके आगे समर्पण कर दिया था। मुनिश्री ने कहा कि विरासत में हमें क्या मिला, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि हम इस संसार को क्या देकर जाएँगे इस मौके पर जिनेश जैन ने कहा कि जैन तीर्थ हमारे देश की संस्कृति के माथे के तिलक होते हैं। प्राचीन तीर्थ देश की धरोहर है जिनकी कीमत तो केवल श्रद्धालुओं द्वारा तीर्थ वंदना की जाने वाले अनन्तानंत श्रद्धाभक्ति के भावों से पहचानी जा सकती है। अंतरंग भावों से की गई भक्ति आध्यात्मिक और ध्यान के रंगों से सराबोर कर देती है। इस मौके पर मंत्रोच्चारण के साथ इंद्रों ने कलशों में शुद्धजल भरकर भगवान का जयकारों के साथ अभिषेक किया।

पौधारोपण कर मनाया वन महोत्सव

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के तलवाड़ा रोड स्थित आध्यात्मिक केंद्र मानसरोवर ट्रस्ट द्वारा 14 -15 जुलाई को सामूहिक पौधारोपण कर वन महोत्सव मनाया गया इस मौके शहर के तलवाड़ा रोड के दोनों तरफ व मानसरोवर ध्यान परिसर में 213 फलदार व छायादार पौधे अर्पित किए गए उपस्थित संगत को संबोधित करते हुए शाह साहिब जी ने बताया कि हमारा शरीर पांच तत्वों से बना हुआ है पांचो तत्वों को संतुलन करने के लिए प्रकृति का संतुलन जरूरी है हमारे शरीर में अगर पांच तत्वों को संतुलित करना है तो प्रकृति की रक्षा हमें करनी होगी अगर हम प्रकृति के पांचो तत्वों की रक्षा करते हैं तो हमारा शरीर अपने आप संतुलित होने लगता है वायु तत्व को संतुलित करने के लिए पेड़ बहुत जरूरी है जिसे हमारे शरीर में प्राण शक्ति बढ़ती है और पृथ्वी तत्वों को भी मजबूत करते हैं हमें प्रकृति को देना सीखना चाहिए और प्रकृति को देने का सबसे आसान तरीका पौधारोपण है हम केवल पौधारोपण के माध्यम से इस प्रकृति का श्रृंगार कर सकते प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों पर अनंत उपकार करती है।

जैन बैंकर्स फोरम जयपुर ने समत्व सागर जी से प्राप्त किया आशीर्वाद

बैंकिंग सेवा संबंधी जानकारी के संपर्क सूत्र का पोस्टर विमोचन किया गया। स्व कल्याण के लिए दिगंबर मुद्रा सर्वश्रेष्ठ परिवेश है : समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुनिद्वय समत्व सागर जी एवं शील सागर के जनकपुरी में जारी पांच दिवसीय प्रवास के दौरान जैन बैंकर्स जयपुर आशीर्वाद प्राप्त करने की भावना से एवं समाज को जैन बैंकर्स से वांछित अपेक्षाएं जानने के उद्देश्य से मुनि श्री के सम्मुख प्रातः कालीन प्रवचन के समय उपस्थित हुए। जैन बैंकर्स के सभी उपस्थित सदस्यों ने मुनि द्वय को श्रीफल भेंट किया। जनकपुरी समाज द्वारा फोरम के सदस्यों से एवं मुनिसेवा संघ से संयुक्तरूप से तीर्थंकर नेमीनाथ के चित्र का अनावरण किया एवं दीप प्रज्जवलित करने का सौभाग्य प्राप्त किया। अपने पंच दिवसीय प्रवचन की श्रंखला को जारी रखते हुए आज के प्रवचन में मुनि शील सागर जी द्वारा समाधिस्थ गणाचार्य को गृहस्थ अवस्था में सुनाया गया भक्तिगीत मधुर मनभावन आवाज में दोहराया गया। इसी क्रम मेंसमत्व सागर जी के समक्ष फोरम द्वारा ''बैंकिंग संबंधी जानकारी एवं समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क सूत्र'' के पोस्टर का विमोचन किया गया । ऐसे पोस्टर लगभग सभी बड़े मंदिरो मे लगाए जाने हेतु अवगत कराया गया ताकि अधिक अधिक व्यक्ति बैंकर्स फोरम का उपयोग कर सके। मुनि श्री समत्व सागर जी ने आज की सभा में धर्म की आगम सम्मत विवेचना की । जीवन में आगे बढ़ने के लिए, ठोस आधार के लिए विश्वास के साथ विचारो का तालमेल होना आवश्यक है । धर्म एवं दर्शन की सरल शब्दों में व्याख्या की, दर्शन से गूढ़ रहस्यों की जानकारी के बारे में बताया । बैंकर्स फोरम की उपस्थिति के मध्यनजर धर्म को बैंक से जोड़ते हुए बैंक के नाम पर एवं धर्म के नाम पर हो रही ठगी का विस्तृत वर्णन किया, एक व्यक्ति प्रमाणिक नही होता है, उसका पद ही शक्ति प्रदाता होता है। दिगंबर मुद्रा ही प्रामाणिकता के कारण सर्वश्रेष्ठ होती है, अपने डेढ़ घंटे के धाराप्रवाह मंगल उद्बोधन में सरल जीवन के लिए जीवन के गूढ़ रहस्यों की जानकारी देते हुए कहा कि भीड़ के समर्थन का अर्थ प्रामाणिक होना जरूरी नहीं है, भारी भीड़ के समक्ष मात्र एक व्यक्ति भी प्रामाणिक हों सकता है। जैन बैंकर्स की ओर से कैलाश चंद जैन छाबड़ा, विमल जैन टोंक, सुरेश चंद जैन, जितेंद्र जैन, मुकेश पांड्या, राजीव पांड्या, सुकेश काला, कमलेश जैन पांड्या, राजेंद्र पापड़ीवाल, राजेंद्र ठोलिया, देवेन्द्र जैन उमप्र, प्रकाश गंगवाल, सुरेंद्र जैन, सचिन काला, पुनीत जैन, सुश्री संचिता जैन, कार्याध्यक्ष पदम चंद बिलाला, सचिव सुनील काला, अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपुरा आदि जनकपुरी जैन मंदिर में मुनि श्री के मंगल प्रवचन के हितभागी बने । मुनीसेवा संघ के श्री ओम प्रकाश काला एवं मनीष वैद आदि ने में आज के प्रवचन से जीवन का रहस्य जाना।